



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 97]
No. 97]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 31, 2001/चैत्र 10, 1923

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 31, 2001/CHAITRA 10, 1923

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2001

सं. 3 (आर ई-2001)/1997—2002

फा. सं. 01/94/180/504/ए एम 99/पी. सी. IV.—संखा का. आ. 283(अ) दिनांक 31 मार्च, 1997 के द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) में यथा अधिसूचित निर्यात और आयात नीति, 1997—2002 के पैराग्राफ 4.11 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय व्यापार, एतद्वारा ई पी सी जी लाइसेंसों के संबंध में निर्यात वायित्व अवधि बढ़ाने के लिए निम्नलिखित दिशा निर्देश निर्धारित करते हैं :—

1. निम्नलिखित अधिसूचनाओं के अनुसार जारी ई पी सी जी लाइसेंसों के संबंध में, लाइसेंस्यारण क्षिर्यात वायित्व अवधि को 31-3-2002 तक बढ़ावाने का हकावार होगा, बहार्ते कि लाइसेंस धारक पूर्व निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना निर्यात वायित्व पूरा नहीं कर सका हो और निर्यात वायित्व अवधि बढ़ावाने के लिए बैंक गारंटी सहित आवेदन प्रस्तुत किया हो जिसमें 30.9.2002 तक किए आयात की तिथि से 24 प्रतिशत साधारण व्याज के साथ अपूर्ण निर्यात वायित्व के यथानुपात सीमा शुल्क का भुगतान भी करेगा।

- i) सार्वजनिक सूचना सं. 1 आई टी सी(पी एन) 1990-93 दिनांक 30 मार्च, 1990 के द्वारा अधिसूचित निर्यात एवं आयात नीति 1990-93, खण्ड-1(समय-समय पर यथा संशोधित पैरा-107)
- ii) सार्वजनिक सूचना सं. 1 आई टी सी(पी एन) 1992-97 दिनांक 31 मार्च,

1992 के द्वारा अधिसूचित निर्यात एवं आयात नीति 1992-97, (समय-समय पर यथा संशोधित पैरा-38)

- iii) अधिसूचना सूचना सं. 22 (एन 3) 1992-97 विनांक 30 जून, 1992 के द्वारा अधिसूचित निर्यात एवं आयात नीति 1990-93, (समय-समय पर यथा संशोधित पैरा-38)
- iv) अधिसूचना सूचना सं. 1 (आर ई) 1992-97 विनांक 31 मार्च, 1993 के द्वारा अधिसूचित निर्यात एवं आयात नीति 1990-93, (संशोधित संस्करण मार्च, 1993 में समय-समय पर यथा संशोधित पैरा-38 एवं 46 क)
- v) अधिसूचना सूचना सं. 34 (आर ई) 1992-97 विनांक 31 मार्च, 1995 के द्वारा अधिसूचित निर्यात एवं आयात नीति 1990-93, (संशोधित संस्करण मार्च, 1994 में समय-समय पर यथा संशोधित पैरा-38 एवं 46 क)
- vi) अधिसूचना सूचना सं. 1(आर ई) 1992-97 विनांक 31 मार्च, 1995 के द्वारा अधिसूचित निर्यात एवं आयात नीति 1990-93, (संशोधित संस्करण मार्च, 1995 में समय-समय पर यथा संशोधित पैरा-38)

बैंक गारंटी 31-3-2003 से वैयं होगी बैंक गारंटी सभी आवेदनों को प्रस्तुत करना आवश्यक होगी जिसमें स्तरधारक या अच्युत्यक्षित भी शामिल होंगे जो विधिक वथनबद्धता सुविधा हेतु पात्र हैं।

बदाई गई अवधि में निर्यात वायित्व पूरा न करने पर उपर्युक्त बैंक गारंटी जब छोड़ जाएगी।

2. बैंक गारंटी सहित निर्यात वायित्व में दृष्टि के लिए आवेदन 28-06-2001 को या इससे पहले संबंधित लाइसेंसिंग प्राधिकारी को प्रस्तुत किया जायेगा। लाइसेंसिंग प्राधिकारी जिसने लाइसेंस जारी किया है वह निर्यात वायित्व की अवधि को बदाने के लिए सक्षम होगा।
3. जिन मामलों में इस सार्वजनिक सूचना की तारीख से पूर्व निर्यात वायित्व पूरा कर लिया गया है किन्तु यह निर्धारित निर्यात वायित्व अवधि के बाहर है तो ऐसे निर्यात के मामले को नियमित करने के प्रयोजन के लिए निर्धारित निर्यात वायित्व अवधि के भीतर किया गया माना जायेगा। ऐसे निर्यातकों को कोई बैंक गारंटी प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी।
4. जिन मामलों में पहले से निष्पादित बैंक गारंटी में पूरा ना किया गया निर्यात वायित्व और 24 प्रतिशत साधारण व्याज सीमा शुल्क को अनुपात में है और यह 31-3-2003 तक वैध है तो किसी अलग बैंक गारंटी को लिए भी कहा जायेगा तथा लाइसेंस धारक को 30-6-2001 से पूर्व पहले से निष्पादित बैंक गारंटी के अर्थों सहित आवेदन करना होगा। जिन मामलों में बैंक गारंटी को सीमा शुल्क प्राधिकारी के साथ निष्पादित कर लिया गया है तो लाइसेंस धारक को 30-6-2001 से पूर्व इस आशय का एक प्रमाण-पत्र संबंधित सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के सहायक आद्युक्त से प्रस्तुत करना होगा जिसके साथ बैंक गारंटी निष्पादित यी गई है।
5. जिन मामलों में बैंक गारंटी सार्वजनिक सूचना सं. 5 विनांक 06-04-1999 को अनुसार पहले से निष्पादित की जा चुकी है और यह 30-3-2002 तक वैध है तो इसे निर्यात वायित्व पूरा ना किये गये अनुपात में 30-09-2001 तक सीमा शुल्क और व्याज को शामिल करते हुए, 31-03-2003 तक बदाया जा सकता

है और 29-06-2001 को या इससे पहले इस आशय का प्रमाण प्रस्तुत किया जा सकता है।

6. जिन मामलों में लाईसेंस धारक 31-3-2002 से पूर्व निर्यात वायित्व की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करता है तो इसे भी लाईसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा मंजूर किया जाएगा और ऐसे मामलों में बैंक गारन्टी मांगे गए निर्यात वायित्व की अवधि के अलावा एक वर्ष की अवधि के लिए दैध होनी चाहिए। तथापि, ऐसे मामलों में, आवेदित की गई अवधि के बाब निर्यात वायित्व अवधि बढ़ाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
7. तथापि जहाँ लाईसेंसों में गलत सूचना/धोखाधड़ी की जानकारी लाईसेंसिंग प्राधिकारी को मिलती है उन लाईसेंसों के संबंध निर्यात वायित्व की अवधि में वृद्धि नहीं की जायेगी। इसके अलावा जिन लाईसेंसों के संबंध में न्याय निर्णय आवेदन पहले ही जारी कर दिए गए हैं वहाँ निर्यात वायित्व की अवधि में वृद्धि की कोई अनुमति नहीं होगी।
8. जिन मामलों में लाईसेंस धारक ने इस सार्वजनिक सूचना के तहत वी गई सुविधा का उपयोग नहीं किया है तो उसके विरुद्ध 29-6-2001 के पश्चात न्याय निर्णय संबंधी कार्रवाई शुरू की जायेगी।

इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

एन० एल० लखनपाल, महानिदेशक, विदेश व्यापार

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 31st March, 2001

No. 3 (RE-2001)/1997—2002

F. No. 01/94/180/504/AM 99/PC. IV.—In exercise of powers conferred under paragraph 4.11 of the Export and Import Policy, 1997—2002 as notified in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3, Sub-section (ii) vide S.O. No. 283(E), dated 31st March, 1997, the Director General of Foreign Trade hereby lays down the following guidelines for extension in export obligation period in respect of EPCG Licences :

1. In respect of EPCG licences issued in pursuance of the following notifications, the licence holder shall be deemed to be eligible for extension of export obligation period upto 31.03.2002 provided the licence holder who has failed to complete his export obligation within the earlier stipulated time limit, applies for extension of export obligation period on submission of a Bank Guarantee, covering the Customs duty in proportion to the unfulfilled export obligation together with 24% simple interest thereon from the date of import upto 30.9.2002.
- I. Import & Export Policy 1990-93, Vol.I (Paragraph 197 as amended from time to time) notified under Public Notice No.1-ITC (PN) 1990-93 dated 30th March, 1990;
- II. Export & Import Policy 1992-97 (Paragraph 38 as amended from time to time) notified under Public Notice No.1-ITC(PN) 1992-97 dated 31st March, 1992;
- III. Export & Import Policy 1992-97 (Reprint June, 1992 - Paragraph 38 as amended from time to time) notified under Notification No.22 (N.3) 1992-97 dated 30th June, 1992;

- iv. Export & Import Policy 1992-97 (Revised edition March, 1993 – Paragraphs 38 and 46A as amended from time to time) notified under Notification No.1(RE) 1992-97 dated 31st March, 1993;
- v. Export & Import Policy 1992-97 (Revised edition March'94 – Paragraphs 38 and 46A as amended from time to time) notified under Notification No.34(RE) 1992-97 Dated 31st March, 1994;
- vi. Export Import Policy 1992-97 (Revised edltion March'95 – Paragraph 38 as amended from time to time) notified under Notification No.1(RE) 1992-97 Dated 31st March, 1995.

Bank Guarantee should be valid upto 31.3.2003. The Bank Guarantee shall be required to be submitted by all applicants including those eligible for LUT facility being status holder or otherwise.

The aforementioned Bank Guarantee shall be forfeited in the event of non fulfilment of export obligation in the extended period.

2. The request for extension alongwith BG shall be filed with the concerned licensing authority on or before 29.06.2001. The licensing authority which originally issued the licence shall be competent to grant extension in export obligation period.
3. In such cases where export obligation has been fulfilled prior to the date of this Public Notice but outside the prescribed export obligation period, such exports shall be deemed to have been made within the prescribed export obligation period for the purpose of regularisation of the case. Such exporters need not submit any Bank Guarantee.
4. In cases where the Bank Guarantee already executed covers the Customs duty in proportion to the unfulfilled export obligation together with 24% simple interest thereon and the same is valid till 31.3.2003, no separate Bank Guarantee shall be insisted and the licence holder shall be required to make a request on or before 29.6.2001 alongwith details of the Bank Guarantee already executed. In cases where the Bank Guarantee has been executed with the Customs authority, the licence holder shall be required to furnish a certificate to this effect on or before 29.6.2001 from the concerned Asstt. Commissioner of Customs and Central excise with whom the Bank Guarantee has been executed.
5. In cases where the Bank Guarantee already executed in terms of Public Notice No 5 dated 06.04.1999 and valid upto 30.03.2002, it may be extended upto 31.03.2003 covering the Customs Duty and Interest upto 30.09.2002 in proportion to unfulfilled E.O. and proof thereof may be submitted on or before 29.06.2001.
6. In cases where the licence holder applies for export obligation extension for a period prior to 31.3.2002, the same shall also be granted by the licensing authority and in such cases, the BG shall be required to be valid for a period of one year in addition to the period of export obligation sought for. However in such cases, no further extension in EO period beyond the period already applied for shall be allowed.
7. However, no extension in export obligation shall be allowed in respect of the licences where misrepresentation/fraud has come to the notice of the licensing authorities. Further, in respect of licences where adjudicating orders have already been passed, no extension in export obligation period shall be admissible.
8. In such cases where the export obligation has not been completed and the licence holder has not availed the facility accorded under this Public Notice, adjudication proceedings shall be initiated after 29.6.2001.

N. L. LAKHANPAL, Director General of Foreign Trade